वार्षिकी

(२०१९-२०२०)

ANNUAL REPORT

(2019 - 2020)

सम्पादक

डॉ. जीतराम भट्ट

सचिव

दिल्ली-संस्कृत-अकादमी

(दिल्ली सरकार)

rawpixel

वार्षिकी

(वर्ष २०१९-२०२०)

दिल्ली-संस्कृत-अकादमी

(राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार)

प्लाट सं.-५, झण्डेवालान, करोलबाग, नई दिल्ली-११०००५

प्रकाशक-

सचिव,

दिल्ली-संस्कृत-अकादमी

(राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार)

© दिल्ली-संस्कृत-अकादमी

प्राप्तिस्थान-

विक्रय-विभाग

दिल्ली संस्कृत अकादमी

(राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार)

प्लाट सं0 5, झण्डेवालान, करोलबाग, नई दिल्ली-110005

दूरभाष : 23555676, 23682835, 23635512

website:- **www.sanskritacademy.delhi.gov.in**

E-mail:- **delhisanskritacademy@gmail.com**

Facebook:- **www.facebook.com /delhisanskritacademy**

विषय सूची

क्र.सं.		पृष्ठ सं.
1.	संस्कृत भाषा का महत्त्व	1
2.	संस्कृतभाषा की उपादेयता	2
3.	दिल्ली संस्कृत अकादमी की सीापना	6
4.	दिल्ली संस्कृत अकादमी के उद्देश्य	7
5.	दिल्ली संस्कृत अकादमी की उपलब्धियाँ	8
6.	मण्डलीय प्रतियोगिताएँ	8
7.	**मण्डलस्तरीय अन्तर विद्यालयीय संस्कृत-प्रतियोगिताओं का विवरण**	
	क) मध्य मण्डल	9–10
	क) संस्कृत श्लोक संगीत प्रतियोगिता	11–16
	ख) संस्कृत श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता	
	ग) संस्कृत काव्यालि प्रतियोगिता	
	घ) संस्कृत वाद-विवाद प्रतियोगिता	
	ङ) संस्कृत भाषण प्रतियोगिता	
	च) संस्कृत एकल श्लोक संगीत प्रतियोगिता	
	ख) पश्चिम (बी) मण्डल	17–26
	क) संस्कृत श्लोक संगीत प्रतियोगिता	
	ख) संस्कृत श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता	
	ग) संस्कृत काव्यालि प्रतियोगिता	
	घ) संस्कृत वाद-विवाद प्रतियोगिता	
	ङ) संस्कृत भाषण प्रतियोगिता	
	च) संस्कृत एकल श्लोक संगीत प्रतियोगिता	
	ग) उत्तर पूर्व मण्डल	
	क) संस्कृत श्लोक संगीत प्रतियोगिता	26–37
	ख) संस्कृत श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता	
	ग) संस्कृत काव्यालि प्रतियोगिता	
	घ) संस्कृत वाद-विवाद प्रतियोगिता	

घ) उत्तर मण्डल 37-45

- क) संस्कृत श्लोक संगीत प्रतियोगिता
- ख) संस्कृत श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता
- ग) संस्कृत काव्यालि प्रतियोगिता
- घ) संस्कृत वाद-विवाद प्रतियोगिता
- ङ) संस्कृत भाषण प्रतियोगिता
- च) संस्कृत एकल श्लोक संगीत प्रतियोगिता

ङ) दक्षिण पूर्व मण्डल 45-53

- क) संस्कृत श्लोक संगीत प्रतियोगिता
- ख) संस्कृत श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता
- ग) संस्कृत काव्यालि प्रतियोगिता
- घ) संस्कृत वाद-विवाद प्रतियोगिता
- ङ) संस्कृत भाषण प्रतियोगिता
- च) संस्कृत एकल श्लोक संगीत प्रतियोगिता

च) दक्षिण पश्चिम (ए) मण्डल 54-60

- क) संस्कृत श्लोक संगीत प्रतियोगिता
- ख) संस्कृत श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता
- ग) संस्कृत काव्यालि प्रतियोगिता
- घ) संस्कृत वाद-विवाद प्रतियोगिता
- ङ) संस्कृत भाषण प्रतियोगिता
- च) संस्कृत एकल श्लोक संगीत प्रतियोगिता

छ) पूर्व -मण्डल 61-68

- क) संस्कृत श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता
- ख) संस्कृत काव्यालि प्रतियोगिता
- ग) संस्कृत वाद-विवाद प्रतियोगिता
- घ) संस्कृत भाषण प्रतियोगिता
- ङ) संस्कृत एकल श्लोक संगीत प्रतियोगिता

ज) उत्तर पश्चिम (ए) मण्डल 69-75

- क) संस्कृत श्लोक संगीत प्रतियोगिता
- ख) संस्कृत श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता
- ग) संस्कृत काव्यालि प्रतियोगिता
- घ) संस्कृत वाद-विवाद प्रतियोगिता
- ङ) संस्कृत भाषण प्रतियोगिता

झ) पश्चिम (ए) मण्डल 76-81

- क) संस्कृत श्लोक संगीत प्रतियोगिता
- ख) संस्कृत श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता
- ग) संस्कृत काव्यालि प्रतियोगिता
- घ) संस्कृत वाद-विवाद प्रतियोगिता
- ङ) संस्कृत भाषण प्रतियोगिता
- च) संस्कृत एकल श्लोक संगीत प्रतियोगिता

ञ) दक्षिण पश्चिम (बी) मण्डल 82-90

- क) संस्कृत श्लोक संगीत प्रतियोगिता
- ख) संस्कृत श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता
- ग) संस्कृत काव्यालि प्रतियोगिता
- घ) संस्कृत वाद-विवाद प्रतियोगिता
- ङ) संस्कृत भाषण प्रतियोगिता
- च) संस्कृत एकल श्लोक संगीत प्रतियोगिता

ट) उत्तर पश्चिम (बी) -मण्डल 90-99

- क) संस्कृत श्लोक संगीत प्रतियोगिता
- ख) संस्कृत श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता
- ग) संस्कृत काव्यालि प्रतियोगिता
- घ) संस्कृत वाद-विवाद प्रतियोगिता
- ङ) संस्कृत भाषण प्रतियोगिता
- च) संस्कृत एकल श्लोक संगीत प्रतियोगिता

ठ) दक्षिण -मण्डल 100-107

क) संस्कृत श्लोक संगीत प्रतियोगिता

ख) संस्कृत श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता

ग) संस्कृत काव्यालि प्रतियोगिता

घ) संस्कृत वाद-विवाद प्रतियोगिता

ङ) संस्कृत भाषण प्रतियोगिता

च) संस्कृत एकल श्लोक संगीत प्रतियोगिता

ड) नई दिल्ली-मण्डल 107-112

क) संस्कृत श्लोक संगीत प्रतियोगिता

ख) संस्कृत श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता

ग) संस्कृत काव्यालि प्रतियोगिता

घ) संस्कृत वाद-विवाद प्रतियोगिता

ङ) संस्कृत भाषण प्रतियोगिता

च) संस्कृत एकल श्लोक संगीत प्रतियोगिता

8) विद्यालयीय संस्कृत सेवा समारोह 112

9) संस्कृत छात्रवृत्ति वितरण समारोह (महाविद्यालय एवं विद्यालय स्तरीय) 113

10) संस्कृत प्रतिभा पुरस्कार वितरण समारोह 114

11) संस्कृत प्रतियोगिता पुरस्कार वितरण समारोह 115

12) ज्योतिष अध्ययन केन्द्र उद्घाटन समारोह 116

13) प्रशासनिक सेवा परीक्षा प्रशिक्षण केन्द्र 117

14) आयुर्वेद अध्ययन केन्द्र उद्घाटन समारोह 119

15) दैनिक जीवन में आयुर्वेद की भूमिका विषय पर व्याख्यान 120

16) स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में अखिल भारतीय संस्कृत कवि सम्मेलन 121

17) संस्कृत दिवस समारोह 124

18) मध्यमा स्तरीय एकल श्लोक संगीत प्रतियोगिता 125

19) मध्यमा स्तरीय संस्कृत एकांकी नाटक प्रतियोगिता 127

20) शलाका प्रतियोगिता 131

21) व्याकरण सूत्र अन्त्याक्षरी प्रतियोगिता (स्नातक स्तरीय) 133

22)	सद्यः निबन्ध लेखन प्रतियोगिता (शास्त्री, आचार्य स्नातक स्नातकोत्तर स्तरीय)	135
23)	व्याकरण सूत्र अन्त्याक्षरी (मध्यमा)	137
24)	संस्कृत वार्ता प्रतियोगिता	139
25)	संस्कृत एकल श्लोक संगीत प्रतियोगिता (स्नातक स्नातकोत्तर स्तरीय)	139
26)	वेदमन्त्रान्त्क्षरी प्रतियोगिता	142
27)	संस्कृत उत्सव	144
28)	संस्कृत श्लोकसंगीत प्रतियोगिता (महाविद्यालय स्तरीय)	148
29)	सद्यः निबन्ध प्रतियोगिता (मध्यमा स्तरीय)	151
30)	अक्षर श्लोक प्रतियोगिता (मध्यमा स्तरीय)	152
31)	संस्कृत भाषण प्रतियोगिता (मध्यमा स्तरीय)	153
32)	संस्कृत वाद-विवाद प्रतियोगिता (मध्यमा स्तरीय)	155
33)	श्लोकोन्त्याक्षरी प्रतियोगिता (संस्कृत महाविद्यालय स्तरीय)	157
34)	व्यक्ति राष्ट्र के लिए है राष्ट्र व्यक्ति के नहीं-विषय पर संगोष्ठी	170
35)	राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की सामाजिक चेतना विषय पर संगोष्ठी	173
36)	भारतीय संस्कृति की रक्षा में गुरुनानक जी का योगदान विषय पर संगोष्ठी	174
37)	चलचित्र गीतों का संस्कृत अनुवाद गायन प्रतियोगिता	176
38)	प्रश्नमंच प्रतियोगिता	176
39)	गणतन्त्र दिवस के उपलक्ष्य अखिल भारतीय राष्ट्रीय संस्कृत कवि सम्मेलन	177
40)	तीन दिवसीय युवा महोत्सव (केन्द्रीय प्रतियोगिता)	178
41)	संस्कृत भाषण प्रतियोगिता(स्नातक स्नातकोतर एवं शास्त्री, आचार्य स्तरीय)	187
42)	श्लोक अन्त्याक्षरी प्रतियोगिता (महाविद्यालय स्तरीय)	189
43)	भारतीय संविधान में मौलिक कर्तव्य-संगोष्ठी	191
44)	प्राचीन काव्यों पर आधारित काव्यपाठ प्रतियोगिता (शास्त्री,आचार्य,स्नातक स्नातकोत्तर स्तरीय)	192
45)	चार्टेड अकाउण्टेण्ट रिपोर्ट	195

संस्कृत भाषा का महत्त्व

विश्व की अनेक प्राचीन सभ्यताएँ कालकवलित हो गयीं, किन्तु भारतीय संस्कृति आज भी विश्व के प्रांगण में अपना सम्मानपूर्ण तथा गौरवमय स्थान बनाए हुए है, इसका एक महत्त्वपूर्ण कारण यह है कि भारतीय संस्कृति के उद्भव एवं विकास को संस्कृत-भाषा का स्वर प्राप्त हुआ है। प्राचीन काल से ही विभिन्न संस्कृतियों, मान्यताओं, धार्मिक विश्वासों, बौद्धिक पूर्वाग्रहों की अभिव्यक्ति संस्कृत के माध्यम से हुई है। इसलिए बार-बार उद्घोष किया जाता रहा है-**'भारतस्य प्रतिष्ठे द्वे संस्कृतं संस्कृतिस्तथा। ''** संस्कृत भाषा का साहित्यिक तथा प्राच्यविद्यापरक इतिहास मात्र एकवर्गीय चेतना की अभिव्यक्ति नहीं है, बल्कि इसमें मानव-सभ्यता के स्वस्थ मूल्यों की बहु-आयामी दिशाएँ मुखरित हुई हैं, जो भारत को 'जगद्गुरु' बनाने का गौरव प्रदान करती हैं। राष्ट्रीय एकता को एक सूत्र में पिरोने तथा भारत की सामाजिक संस्कृति को इन्द्रधनुषी रंग से अभिव्यक्ति प्रदान करने वाली एक दायित्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह संस्कृत-भाषा और उसका साहित्य प्राचीन काल से करता आया है। संस्कृत भारतवर्ष की राष्ट्रीय अखण्डता और 'अनेकता में एकता' का सन्देश सदियों से देती आयी है। कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक तथा गुजरात से लेकर नागालैण्ड तक भारत में तीन सौ से भी अधिक भाषाएँ या बोलियाँ बोली जाती हैं। संस्कृत इन सभी भाषाओं और बोलियों की माँ है और उन्हें एकता के सूत्र में बाँधती है। संस्कृत की राष्ट्रीय चेतना के परिणाम स्वरूप ही भारतवर्ष एक समृद्ध सांस्कृतिक राष्ट्र के रूप में अपना महत्त्वपूर्ण स्थान बना पाया है।

प्रत्येक सामुदायिक वर्ग और धार्मिक मतानुयायियों को राष्ट्रीय पटल पर आने की जब भी महत्त्वाकांक्षा हुई तो उन्हें संस्कृत के सहारे की आवश्यकता पड़ी। संस्कृत के पाश्चात्य विद्वान् 'मोनियर विलियम्स' की धारणा रही है कि **'यद्यपि भारतवर्ष में अनेक भाषाएं विद्यमान हैं, परन्तु भारतीयता के समर्थक सभी व्यक्तियों ने जाति, कुल मर्यादा तथा सम्प्रदाय से ऊपर उठकर सर्वसम्मति से संस्कृत और उनके साहित्य को महान आदर दिया। 'सर्वधर्म समभाव' एवं 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावधारा से इसने विश्वबन्धुत्व के कल्पवृक्ष को सींचा है। इसकी विभिन्न शाखाओं पर नाना संस्कृतियों के स्वर गुञ्जायमान हैं।'** संस्कृत मानव-सभ्यता के प्राचीनतम इतिहास से जुड़ी विश्व की

प्रथम भाषा है, जो प्राचीन होने के साथ-साथ आधुनिक भाषा के रूप में भी सर्वथा समर्थ है। चाहे विदेशी भाषाओं की बात हो या फिर आधुनिक भारतीय भाषाओं की, संस्कृत का सभी से घनिष्ठ सम्बन्ध देखा जा सकता है। भाषायी एकता की प्रेरणास्रोत होने के कारण संस्कृत को सभी भाषाओं की जननी कहा जाता है। संस्कृत की शुद्धता, पवित्रता, विलक्षणता और सार्वभौमिकता के कारण आचार्य दण्डी द्वारा इसे देववाणी के रूप में सम्मानित किया गया। उन्होंने काव्यादर्श में लिखा है **''संस्कृतं नाम दैवीवाक् अन्वाख्याता महर्षिभिः।''** वैदिक काल से संस्कृत भाषा भारतवर्ष की राष्ट्रीय भाषा होने के कारण 'भारत भारती' के रूप में व्यवहृत होती थी। वैदिक ऋषियों ने संस्कृत-भाषा के प्रचार-प्रसार के साथ-साथ लोकभाषाओं के अभ्युदय की कामना भी की है। भारतवर्ष के संविधान में अपनाये गए **'सर्वभाषा उन्नति'** के सिद्धान्त का मूल स्वर ऋग्वेद में मिलता है- **''आ भारती भारतीभिः सजोषा''** (**ऋग्वेद** ७.२.८)। वस्तुतः समस्त मानव-सभ्यता संस्कृत भाषा पर केन्द्रीभूत है, कहा भी गया है- **'संस्कृतिः संस्कृताश्रिता।'**

वर्तमान में संस्कृत भाषा की उपादेयता

संस्कृत भाषा ने देश की सभी विचार परंपराओं और सांस्कृतिक विरासतों का प्रतिनिधित्व किया है। चाहे वेदवादी रहे हों या वेदविरोधी, आस्तिक हों या नास्तिक, जैन हों या बौद्ध, शैव हों या वैष्णव, अध्यात्मवादी हों या लोकायत्तिक, मुस्लिम हों या यूरोपियन सभी ने संस्कृत-साहित्य के महासमुद्र में अपनी वाग्धारा अर्थ का अर्घ्य समर्पित किया है तथा ऐतिहासिक साक्ष्य के रूप में यह गवाही भी दी है कि संस्कृत ने राष्ट्रीय स्तर पर पारस्परिक भ्रातृत्व संवाद के लिये मार्ग प्रशस्त किया है तथा सम्प्रदायवाद एवं प्रान्तवाद से ऊपर उठकर राष्ट्रीय प्रज्ञा के संग्रहण और संवर्धन के स्वर्णिम अवसर जुटाए हैं। ये ही कारण हैं कि धर्मवादी और अर्थवादी, जड़वादी तथा चेतनावादी सभी विचार-परम्पराओं के ऐतिहासिक तट संस्कृत-साहित्य में निर्मित हुए हैं। किन्तु आज हम किन्हीं राजनीतिक और आर्थिक संकीर्णताओं से अभिशप्त होकर पश्चिमी ज्ञान-विज्ञान की ओर लालायित हैं तथा संस्कृत-साहित्य के अध्ययन की ओर हमने उपेक्षा की दृष्टि अपना ली है।

ज्ञान-विज्ञान के सवंर्धन का चाहे राष्ट्रीय सन्दर्भ हो या फिर अन्तर्राष्ट्रीय, संस्कृत विद्या के अक्षर भण्डार का अपलाप नहीं किया जा सकता है। भारतीय तत्त्व-चिन्तकों ने ही सर्वप्रथम सत्यानुसन्धान की वैज्ञानिक प्रक्रिया का आविष्कार करते हुए यह उद्घाटित किया है कि **''हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम्''** (ईशोपनिषद् 18) अर्थात् भौतिकवादी चमक-दमक से सत्य को ढाँप दिया जाता है। इसलिए सत्यानुसन्धान के शोधार्थी के लिए यह आवश्यक है कि वह **'वादे वादे जायते तत्त्वबोधः'** की मार्ग-सरणी का पथिक बनकर आधुनिक मानव के लिए तुलनात्मक ज्ञान-विज्ञान का द्वार

खोले, परन्तु इस मार्ग में उसे सर्वप्रथम प्राचीन भारतीय वाङ्मय के रम्य तपोवनों से गुजरना होगा और उसके बाद ही वह आधुनिक विश्वविद्यालयीय ज्ञान-विज्ञान का वास्तविक मूल्यांकन कर सकता है। आधुनिक मानव के लिए संस्कृत विद्या की अनिवार्यता इसलिए भी रेखांकित हो जाती है, ताकि वह आधुनिक ज्ञान-विज्ञान के मूल स्रोतों को पकड़ सके और यह जान सके कि आधुनिक ज्ञान-विज्ञान कितना प्रगतिशील है। विदेशों में इस अमूल्य ज्ञान-सम्पदा का व्यापक स्तर पर दोहन-कार्य पिछली तीन सदियों में निरन्तर प्रगति पर है, किन्तु भारतवर्ष में इस दिशा में गम्भीरता से सोचना प्रारम्भ नहीं हुआ। जिसके फलस्वरूप सम्बन्धित विचारकों द्वारा भारतीय विद्या और उसके प्राचीन ज्ञान-विज्ञान को या तो साम्प्रदायिकता का नाम देकर हतोत्साहित कर दिया जाता है या फिर उसे एक निम्नस्तरीय ज्ञान-विज्ञान मानकर अवमानित किया जाता है इस मानसिकता का एक मुख्य कारण है राष्ट्रीय अस्मिता के प्रति उदासीनता तथा पाश्चात्य ज्ञान-विज्ञान को उत्कृष्ट मानने का पूर्वाग्रह। ब्रिटेन, रूस, अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी आदि देशों में संस्कृत-विद्या के अध्ययन को जो प्रोत्साहन दिया जा रहा है उसका मुख्य कारण यह है कि वहाँ के बुद्धिजीवियों ने संस्कृत की प्रासंगिकता को आधुनिक सन्दर्भ में भी चरितार्थ किया है। उदाहरण के लिए अमेरिका के वैज्ञानिकों ने **ब्लूमफील्ड** की इस मान्यता को सत्य सिद्ध किया है कि **'पाणिनि की अष्टाध्यायी की सहायता से अमेरिकन वैज्ञानिक कम्प्यूटर प्रणाली का आविष्कार करने में सफल हुए हैं।'** सोवियत विद्वान् **गोरबोवस्की** महाभारत में ब्रह्मास्त्र-प्रयोग के अवतरणों से प्राचीन भारत में 'एटमबम' के अस्तित्व होने की सम्भावनाओं का पता लगा रहे हैं। संस्कृत-विद्याओं के वैज्ञानिक महत्त्व के कारण इंग्लैण्ड, अमेरिका आदि में वैदिक गणित को शिक्षा के पाठ्यक्रम का अंग ही बना दिया गया है। लन्दन में 10+2 प्रणाली के अन्तर्गत गणित के आधुनिक फार्मूलों को समझने के लिए प्राचीन भारतीय गणित शास्त्र को एक उपयोगी प्रणाली के रूप में मान्यता मिल चुकी है। संस्कृत अध्ययन से जुड़ी इन अन्तर्राष्ट्रीय उपलब्धियों से यह भली-भाँति सिद्ध हो जाता है कि आज भारत में संस्कृत को महत्त्व देना कितना आवश्यक है।

18वीं शताब्दी आधुनिक ज्ञान-विज्ञान के ध्रुवीकरण की एक महत्त्वपूर्ण शताब्दी रही है इसी शताब्दी में 'सर विलियम जोन्स- V' ने 'संस्कृत की खोज' (डिस्कवरी ऑफ संस्कृत) के साथ प्राच्य विद्या अनुसंधान की आधारशिला रखी। 'संस्कृत की खोज' से पाश्चात्य विद्वान् एक 'भारोपीय भाषा परिवार' की नवीन अवधारणा का भी आविष्कार करने में सफल हुए, जिसका अर्थ है विश्व की सभी भाषाओं में संस्कृत-भाषा का अवेस्ता, ग्रीक, लैटिन आदि भाषाओं के साथ तुलनात्मक अध्ययन। भाषा

साथ तुलनात्मक अध्ययन। भाषा वैज्ञानिक-विषय प्रकाश में आए तो दूसरी ओर तुलनात्मक धर्म विज्ञान के माध्यम से 'विश्व संस्कृति' के इतिहास को जानने के लिए संस्कृत-भाषा की महत्ता उभर कर आयी। यूरोपीय सभ्यताएँ वैदिक आर्यों के साथ अपने सांस्कृतिक सम्बन्धों को जोड़ने की होड़ में लग गयीं। नि:सन्देह संस्कृत के कारण **'वसुधैव कुटुम्बकम्'** की आधुनिक व्याख्या सम्भव है तथा भारत को अन्तर्राष्ट्रीय सम्मान भी प्राप्त होता है।

सत्य तो यह है कि वैदिक काल से संस्कृत भाषा भारतवर्ष की राष्ट्रीय भाषा होने के कारण 'भारत भारती' के रूप में व्यवहृत होती थी। वैदिक ऋषियों ने संस्कृत-भाषा के प्रचार-प्रसार के साथ-साथ लोक-भाषाओं के अभ्युदय की कामना भी की है और भारतवर्ष के संविधान में अपनाये गये **'सर्वभाषा उन्नति'** के सिद्धान्त को स्वर प्रदान करते हुए कहा- **'आ भारती भारतीभिः सजोषा'** (ऋग्वेद 7.2.8)।

पिछली अनेक अन्धकार युगीन शताब्दियों में जब भारत अपनी राजनीति कमजोरियों के कारण राज्यों में विभक्त हो गया था, उस समय भी संस्कृत को 'कार्य-व्यवहार' और 'राजभाषा' का दर्जा प्राप्त था। वास्तविकता तो यही है कि भले ही हम अपने क्षुद्र राजनीतिक स्वार्थों के कारण 'प्रान्तवाद' और 'क्षेत्रीयवाद' के गणित को अपनाते आए हैं, परन्तु जब भी जन-जीवन के 'राष्ट्रीय-चेतना' और 'अखण्ड भारत' की भावना आई है, उसका उदाहरण संस्कृत-भाषा और संस्कृत-साहित्य ही रहा है।

सामान्यतया यह भ्रान्त धारणा प्रचलित है कि मुस्लमान शासकों के राज्यकाल में संस्कृत भाषा और साहित्य हतोत्साहित हुआ। प्रसिद्ध इतिहासकार श्री रमेशचन्द्र मजूमदार ने इस मिथ्या धारणा का खण्डन करते हुए कहा कि 'मुसलमान शासक संस्कृत-प्रेमी थे और उनके शासन काल में संस्कृत को प्रश्रय तथा प्रोत्साहन मिला।' क्षेमेन्द्रकृत 'लोकप्रकाश' नामक ग्रन्थ में वर्णित है कि मुस्लिम शासन के प्रारम्भ होने के बाद भी दीर्घकाल तक कश्मीर में संस्कृत राजकीय व्यवहार, न्यायालयों और शासकीय आदेशों की भाषा रही थी। इस ग्रन्थ में दैनिक शासन की लिखा-पढ़ी, प्रतिवेदन, प्रलेख आदि के जो नमूने दिये गए हैं, वे संस्कृतनिष्ठ ही हैं। **'लेखपद्धति'** नामक ग्रन्थ से यह भी ज्ञात होता है कि गुजरात के सुल्तान बहुत समय तक राजभाषा के रूप में संस्कृत का ही व्यवहार करते आये थे। कश्मीर के इतिहास में जैनुल आबदीन (1420-70 ई.) संस्कृत-साहित्य और भारतीय विद्याओं का अनन्य प्रेमी था। भारतवर्ष में अनेक ऐसी मुस्लिम कब्रें भी मिली हैं जिन पर शिलालेख संस्कृत भाषा में उत्कीर्ण हुए हैं। अब्दुल रहमान नामक प्रसिद्ध साहित्यकार संस्कृत, प्राकृत तथा अपभ्रंश का मर्मज्ञ विद्वान था। अकबर के राज्यकाल में संस्कृत भाषा और उसके विद्वानों को विशेष समादर मिला था। अबुल फज़ल के भाई फौजी संस्कृत के बहुत अच्छे

विद्वान् थे। उन्होंने हिन्दी तथा संस्कृत की सम्मिश्रित भाषा में रहीम काव्य की रचना की तथा **'खेट कौतुकम्'** नामक एक ज्योतिष ग्रन्थ का भी निर्माण किया। शाहजहाँ के समय में भी संस्कृत को राजकीय सम्मान प्राप्त था, राजकुमार दाराशिकोह संस्कृत का पारंगत विद्वान् था, जिसकी प्रेरणा से उपनिषदों, भवगद्गीता, योगा-वाशिष्ठ आदि का फारसी में अनुवाद भी करवाया गया। मुस्लिम राजपरिवार की महिलाएँ भी संस्कृत-काव्य के प्रति मुग्ध थीं। शाहजहाँ की बेगम रूपराशि बंशीधर मिश्र की संस्कृत-रचनाओं से अत्यन्त प्रभावित थी। इन सभी तथ्यों से स्पष्ट है कि संस्कृत-भाषा की माधुरी और उसके तत्त्वावगाहन की प्रवृत्ति ने मुस्लिम शासन को भी मन्त्र-मुग्ध कर लिया था तथा मुस्लिम शासकों, साहित्यकारों तथा बुद्धिजीवियों ने इसके संवर्धन और विकास के लिए अपना महत्त्वपूर्ण योगदान दिया।

इस प्रकार संस्कृत, भूत, भविष्य और वर्तमान भारत के लोकमानस की भव्य अभिव्यक्ति उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम का अखण्ड भारत प्रतिबिम्बित है; विभिन्न धार्मिक और वैचारिक के स्वर गुंजायमान हैं; राष्ट्रीय अस्मिता का प्रतीक संस्कृत भाषा के साहित्यिक कलेवर में मानवी के उत्कृष्ट ज्ञान-विज्ञान की लहरें हिलोरे मार रही हैं।

आज भारतवर्ष में जो पाश्चात्य सभ्यता और विचारों का पोषण एवं पल्लवन किया है, उसका मूल भारतवर्ष के प्राचीन ऋषियों और तत्त्वचिन्तकों के ज्ञान-विज्ञान में निहित चाहे लोकतन्त्र की हो या धर्मनिरपेक्षता की, स्वतंत्रता के अर्थ को समझना हो या फिर शान्ति विश्व-बधुत्व के अभिप्राय को, संस्कृत-साहित्य के निर्मल कलेवर में इसका वास्तविक अर्थ दिया गया है। गणित शास्त्र, राजनीति शास्त्र, अर्थशास्त्र, भूगोल, ज्योतिषशास्त्र, दर्शनशास्त्र, साहित्य, संगीत आदि ज्ञान की महनीय परम्पराएं भारतवर्ष की अमूल्य निधियाँ हैं और ये सभी निधियाँ संस्कृत के पिटारे में हैं। आज अंग्रेजी शिक्षा-व्यवस्था के परिणाम स्वरूप हम भारतीय विज्ञान से प्रतिदिन जो विमुख जा रहे हैं, उसके प्रचार-प्रसार की ओर हम फिर से लौटें। हमें नालन्दा और तक्षशिला जैसे विश्वविद्यालयों की भाँति विश्वस्तर पर शिक्षा-जगत् को ऊँचा उठाना है। मानव की मौलिक समस्या के विषय में भारतीय तत्त्वज्ञानियों ने जो अपने अनुभवपरक वैज्ञानिक सत्यों का रहस्योद्घाटन किया है, विश्व के बुद्धिजीवियों तक उन्हें पहुँचाना है। यह तभी सम्भव हो सकता है, जब राष्ट्रीय स्तर पर संस्कृत को प्रोत्साहन दिया जाए। राष्ट्रीय उन्नति के लिए सांस्कृतिक उन्नति आवश्यक है और संस्कृति का प्रसार संस्कृत से ही सम्भव है।

यथैव चन्द्रिका चन्द्रे राजते नित्यसङ्गता।
संसिक्ता संस्कृते तद्वद् भारतस्यास्ति संस्कृतिः॥

दिल्ली संस्कृत अकादमी की स्थापना

संस्कृत भाषा के महत्त्व को दृष्टि में रखते हुए तथा राष्ट्र की संस्कृति, सभ्यता, भाषा एवं साहित्य के संरक्षण और विकास के प्रति अपने दायित्व को समझते हुए देश व राज्य की सरकारें राष्ट्रीय अखण्डता व भाषायी एकता की प्रतीक संस्कृत भाषा के संरक्षण एवं प्रचार-प्रसार के लिए अधिकाधिक प्रयत्नशील हैं।

इसी उद्देश्य से उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान व अन्य राज्यों में संस्कृत अकादमियाँ कार्य कर रहीं हैं। संघ राज्य दिल्ली में भी हिन्दी, उर्दू तथा पंजाबी अकादमियों की तरह वर्ष 1987 में दिल्ली संस्कृत अकादमी की स्थापना की गई थी। इस सम्बन्ध में दिल्ली के महामहिम उपराज्यपाल महोदय द्वारा दिनांक 30.3.1987 को अधिसूचना जारी की गई और इस अकादमी को सोसायटी पंजीकरण एक्ट 1860 के अन्तर्गत पंजीकरण संख्या एस-17783, दिनांक 17.5.1987 से पंजीकृत कराया गया।

अकादमी के लिए सहायता पद्धति भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय के पत्र संख्या एफ. 5(17)88 यू.टी.आई. दिनांक 30.3.88 एवं 5.9.88 से अनुमोदित हुई।

स्थापना के अनन्तर 'दिल्ली संस्कृत अकादमी' संस्कृत के प्रचार-प्रसार के लिए निरन्तर गतिशील है।

दिल्ली संस्कृत अकादमी के उद्देश्य

1. संस्कृत भाषा एवं उसके साहित्य के उत्थान, प्रचार-प्रसार हेतु वर्तमान एवं भविष्य के लिए अकादमी अनुदान प्राप्त करेगी। संस्कृत-पुस्तकों का प्रकाशन तथा ऐसी मूल कृतियों का प्रकाशन, जो अब तक प्रकाशित न हुए हों, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक संदर्भ-कोष, ज्ञान-कोष आदि कोष-ग्रन्थों की प्रारम्भिक शब्दावली, संस्कृत से सम्बन्धित विभिन्न प्रकार के ग्रन्थों का विभिन्न भाषाओं में अनुवाद करने के लिए प्रोत्साहन देने हेतु अकादमी अपने स्तर पर उक्त कार्यक्रमों की व्यवस्था करेगी।

2. अकादमी राष्ट्रीय और क्षेत्रीय स्तर पर संस्कृत-सम्मेलन, संगोष्ठी, परिसंवाद, नृत्य, नाटक, काव्य-गोष्ठी, संस्कृत से सम्बन्धित प्रदर्शनी, प्रतियोगिताएँ, संस्कृत से सम्बन्धित समस्याओं के सम्बन्ध में वाद-विवाद, गोष्ठी, विभिन्न भाषाओं के तुलनात्मक अध्ययन एवं संस्कृत से सम्बन्धित ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं शैक्षिक यात्राओं आदि विभिन्न प्रकार से संस्कृत सम्बन्धी कार्यक्रमों की व्यवस्था करेगी। इस सम्बन्ध में भारत सरकार के द्वारा समय-समय पर संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार हेतु जारी किये गये आदेशों के कार्यान्वयन की व्यवस्था करेगी।

3. साहित्यकारों को उनकी अद्‌भुत साहित्यिक रचनाओं तथा संस्कृत के क्षेत्र में प्रशंसनीय कार्यों के लिए मान्यता प्रदान करना एवं पुरस्कृत करना आदि अन्य आर्थिक सहयोग प्रदान करने की व्यवस्था करेगी। संस्कृत के कवियों, लेखकों की अप्रकाशित उपयोगी कृतियों की प्रकाशन-व्यवस्था करेगी।

4. संस्कृत के विद्वानों को उच्च शिक्षा एवं शोध के लिए प्रोत्साहन देगी।

5. दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों में संस्कृत-केन्द्रों की स्थापना करेगी तथा उन केन्द्रों के लिए पाठ्य-पुस्तकों को तैयार करेगी तथा केन्द्रों में अध्ययनरत छात्रों को प्रोत्साहन देगी।

6. संस्कृत-पाठशालाओं के उत्थान के लिए प्रोत्साहन देगी तथा आवश्यकता पड़ने पर उनके लिए पाठ्यक्रम, पाठ्यपुस्तकों, परीक्षाओं इत्यादि की व्यवस्था के लिए प्रोत्साहन देगी।

षड्दिवसीय मण्डलीय संस्कृत प्रतियोगिताएँ

वर्ष 2019–20

विद्यालयों में आयोजित की जाने वाली संस्कृत प्रतियोगिताओं का विवरण

दिल्ली सरकार दिल्ली संस्कृत अकादमी के माध्यम से दिल्ली के युवा वर्ग को संस्कृत से जोड़ने तथा दिल्ली में संस्कृत भाषा के प्रचार–प्रसार एवं विकास को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष दिल्ली स्थित विद्यालयों के छात्र/छात्राओं के लिए तेरह (13) मण्डलों में निम्नानुसार प्रतियोगिताओं का आयोजन कर रही है। इन प्रतियोगिताओं में सम्मिलित होने के इच्छुक विद्यालय से अनुरोध है कि वे प्रतियोगिताओं के नियम, तिथि, समय, प्रपत्रादि के सम्बन्ध में जानकारी अपने मण्डल के सम्बन्धित मण्डलीय संयोजक से सम्पर्क करें या अकादमी की वेबसाइट से भी डाउनलोड कर सकते हैं।

क्र.सं	मण्डल	प्रतियोगिता स्थल	दूरभाष नं./ ई–मेल
1	मध्य	डॉ. हंसराज मोदी, प्रधानाचार्य राजकीय प्रतिभा विकास विद्यालय, लिंक रोड करोलबाग, नई दिल्ली–05	011-23622367 zone12rpvv@gmail.com
2	पश्चिम–बी	श्रीमती सीमा शर्मा,उप–प्रधानाचार्या सर्वोदय कन्या विद्यालय, सुल्तानपुरी रोड़, नांगलोई, नई दिल्ली–41	011-25477140 skv1617013@gmail.com
3	उत्तर–पूर्व	डॉ.कृष्ण मोहन त्रिपाठी प्रधानाचार्य राजकीय सर्वोदय बाल विद्यालय, गांधी मैमोरियल, जी.टी.रोड. शाहदरा, दिल्ली–32	011-22323668 gmsbv1105001@gmail.com
4	उत्तर	श्री यतीन्द्र कुमार शर्मा प्रधानाचार्य राजकीय सर्वोदय विद्यालय, लांर्सर रोड, निकट विश्वविद्यालय मैट्रोस्टेशन, दिल्ली–54	011-23811520 svlancerroad1207032@gmail.com

वर्ष २०१६–२०२०

दिल्ली संस्कृत अकादमी की उपलब्धियाँ

दिल्ली संस्कृत अकादमी प्रतिवर्ष संस्कृत छात्र–छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए विविध कार्यक्रमों का आयोजन करती है। छात्रों की तर्कशक्ति एवं बौद्धिक क्षमता के परिष्कार के लिए सामान्य तथा पारम्परिक विद्यालयों–महाविद्यालयों के छात्र–छात्राओं के स्तरानुसार अकादमी द्वारा इस वर्ष भी विविध प्रतियोगिताएँ आयोजित की गयीं, जिनका विवरण इस प्रकार है–

मण्डलीय संस्कृत प्रतियोगिताएँ

दिल्ली संस्कृत अकादमी द्वारा नवम्बर–दिसम्बर में शिक्षा निदेशालय के तेरह मण्डलों में भिन्न–भिन्न संस्कृत–प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में एकल श्लोक संगीत, संस्कृत श्लोक संगीत (सामूहिक), संस्कृत वाद–विवाद, संस्कृत–भाषण श्लोकोच्चारण (सामूहिक) एवं संस्कृत–काव्यालि प्रतियोगिताएँ सम्मिलित हैं। प्रतियोगिताओं के संचालन हेतु प्रत्येक मण्डल में कार्यक्रम–संयोजक नियुक्त किये गये थे। जिनका विवरण निम्नलिखित है–

5	दक्षिण–पूर्व	श्रीमती पूनम आनन्द, प्रधानाचार्या राजकीय प्रतिभा विकास विद्यालय,लाजपत नगर–1, नई दिल्ली–24	011-29810141 zone25rpvv@gmail.com
6	दक्षिण–पश्चिम–ए	श्री नरेन्द्र कुमार, प्रधानाचार्य राजकीय सह–शिक्षा उच्चतम माध्यमिक विद्यालय, सैक्टर–5, आर. के. पुरम, नई दिल्ली–22	011-26197150 gcsssrkpsec5@rediffmail.com
7	पूर्व	श्रीमती मंजू शमी, प्रधानाचार्या सर्वोदय कन्या विद्यालय, पश्चिमी विनोद नगर, दिल्ली–92	011-22727636 1002032hos@gmail.com
8	उत्तर–पश्चिम–ए	श्रीमती सरिता बत्रा, प्रधानाचार्या राजकीय प्रतिभा विकास विद्यालय, बी.टी. ब्लॉक, शालीमार बाग, दिल्ली–88	011-27483136 rpvv1309124@gmail.com
9	पश्चिम–ए	श्रीमती नीति तिवारी, प्रधानाचार्या सर्वोदय कन्या विद्यालय, डी.सी. विकासपुरी, नई दिल्ली–18	011-25996121 skvdcvp@gmail.com
10	दक्षिण–पश्चिम–बी	डॉ. राजपाल सिंह, प्रधानाचार्य राजकीय प्रतिभा विकास विद्यालय,सैक्टर–10, द्वारका, नई दिल्ली–75	011-25086911 zone21rpvv@gmail.com
11	नई दिल्ली	डॉ. अशोक कुमार, प्रधानाचार्य विद्या भवन महाविद्यालय, लोधी एस्टेट, नई दिल्ली–03	011-24611984 vidya_bhawan1959@ rediffmail.com
12	दक्षिण	श्रीमती मनीषा मल्होत्रा, प्रधानाचार्या गार्गी सर्वोदय कन्या विद्यालय, ग्रीन पार्क एक्सटेंशन, नई दिल्ली–16	011-26560737 gargi.skv@gmail.com
13	उत्तर–पश्चिम–बी	श्री अवधेश कुमार झा, प्रधानाचार्य राजकीय सर्वोदय सह–शिक्षा विद्यालय, सैक्टर–8 रोहिणी, दिल्ली–85	011-27944242 1413027zone13@gmail.com

संस्कृत में लिखित ज्ञान से विश्व को आधुनिक विज्ञान मिल रहा है – विशेष रवि
विश्व को शून्य का ज्ञान संस्कृत से ही मिला है –डॉ0 जीतराम भट्ट
मध्य मण्डल की छः दिवसीय संस्कृत प्रतियोगिताओं का शुभारम्भ–हंसराज मोदी

संस्कृत भाषा में लिखित साहित्यों में हर प्रकार का ज्ञान विज्ञान है। आज के विज्ञान को संस्कृत से ही मूल चिन्तन मिल रहा है। संस्कृत के अध्ययन से स्मरण शक्ति का विकास होता है। हमें जीवन में हर पल संस्कृत की जरूरत होती रहती है। संस्कृत भाषा में निहित ज्ञान विज्ञान सम्मत है। प्रतियोगिताओं के माध्यम से संस्कृत भाषा को युवा पीढ़ी संस्कृत से जोड़ा जा सकता है। संस्कृत के विकास के युवा वर्ग का संस्कृत से जुड़ना बहुत आवश्यक है जिसके लिये दिल्ली सरकार एवं संस्कृत अकादमी के माध्यम से निरन्तर प्रयास कर रही है। संस्कृत विषय में रोजगार की अपार सम्भावनायें हैं।

ये विचार दिल्ली संस्कृत अकादमी दिल्ली सरकार द्वारा राजकीय प्रतिभा विकास विद्यालय, लिंक रोड करोल बाग, नई दिल्ली में दिल्ली शिक्षा निदेशालय के मध्य मण्डल की छः दिवसीय संस्कृत प्रतियोगिताओं का शुभारम्भ करते हुये करोलबाग के विधायक श्री विशेष रवि ने व्यक्त किये। श्री विशेष रवि ने कहा संस्कृत विषय अन्य विषयों की अपेक्षा अधिक रोजगार परक है। संस्कृत की जीवन में कितनी आवश्यकता है इसकी समृद्धि से आप सभी परिचित हैं। इस मण्डल की संस्कृत प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले सभी विद्यालयों के छात्र छात्राओं को शुभकामनाऐं।

इस अवसर पर अकादमी के सचिव डॉ. जीतराम भट्ट ने कहा कि गणित में शून्य भारतीय संस्कृत भाषा की ही देन है। इसी प्रकार यदि आधुनिक विज्ञान एवं गणित को देखें तो विश्व को अनेक सिद्धान्त संस्कृत भाषा की ही देन है। संस्कृत भाषा के विकास के लिये दिल्ली संस्कृत अकादमी अनेक कार्यक्रमों एवं गतिविधियों का आयोजन करती है। अकादमी द्वारा आयोजित ये छः दिवसीय संस्कृत प्रतियोगितायें इस मण्डल के संस्कृत के प्रतिभागियों के लिये उनके मानसिक विकास के स्तर को उन्नत करेगी। अकादमी द्वारा आयोजित इस प्रकार की प्रतियोगिताओं से प्रतिभागियों के आत्मबल को बढ़ाना है। दिल्ली में आज से संस्कृत प्रतियोगितायें प्रारम्भ हो गई है इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से अकादमी दिल्ली को लगभग 3 माह तक संस्कृतय बना देती है। शिक्षा निदेशालय के भी 13 मण्डलों में क्रमशः ये प्रतियोगितायें आयोजित की जा रही हैं। जिससे दिल्ली में संस्कृतमय वातावरण बना रहेगा।

इस अवसर पर दिल्ली शिक्षा निदेशालय के मध्य मण्डल के उपशिक्षा निदेशिका श्रीमती रजनी रावल ने कहा कि संस्कृत से भारतीय भाषाओं के साथ अनेक संस्कृतियां निकली हैं। भारती संस्कृति का आधार ही संस्कृत भाषा है। विश्व में हो रही आजकल की विसंगतियां विश्व की संस्कृतियों का ह्रास होने के कारण हो रही है पाश्चात्य जगत इस बात को समझ गया है जिस कारण पश्चिम के देश प्राईमरी में अपने बच्चों को संस्कृत में शिक्षा दे रहे हैं।

इस अवसर पर प्रतिभा विकास विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं मण्डल के संयोजक डॉ. हंसराज मोदी ने कहा कि मध्य मण्डल के सभी विद्यालयों को इन प्रतियोगिताओं के बारे में विभिन्न माध्यमों से जानकारी भेजी जा चुकी है। मण्डल के अधिक से अधिक विद्यालयों को भाग लेने के लिये प्रोत्साहित किया जा रहा है। प्रतियोगिताओं के माध्यम से शिक्षा के स्तर में भी गुणवत्ता आयेगी। दिल्ली संस्कृत अकादमी दिल्ली में संस्कृत भाषा को लोक प्रिय बनाने के लिये शिक्षा निदेशालय के सभी 13 मण्डलों में संस्कृत की छः प्रतियोगितायें आयोजित की जा रही हैं। आज मध्य मण्डल की प्रतियोगिताओं का प्रारम्भ हो रहा है जो छः दिनों तक चलेगी। इन प्रतियोगिताओं में श्लोक संगीत, संस्कत काव्यालि, श्लोकाच्चारण, संस्कृत वाद–विवाद, संस्कृत भाषण एवं एकल श्लोक संगीत प्रतियोगितायें होंगे। आज श्लोक संगीत प्रतियोगिता से प्रतियोगिताऐं प्रारम्भ हुई। आज की प्रतियोगिता में मण्डल के अनेक विद्यालयों के प्रतिभागियों ने भाग लिया।

इस अवसर पर पूर्व प्रधानाचार्या डॉ. भास्करानन्द पाण्डेय ने विश्व में आज भी भारतीय संस्कृति, संस्कार एवं संस्कृत भाषा का महत्त्व सबसे अधिक है। युवा वर्ग में संस्कृत भाषा को प्रति उत्साह बढ़ाने के लिये निरन्तर इस प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाना जाना चाहिये। संस्कृत भाषा विश्व में सबसे सुदृढ़ एवं वैज्ञानिक सम्मत भाषा है। जो भी व्यक्ति संस्कृत भाषा से जुड़ता है वह स्वंय संस्कारित हो जाता है।

इस अवसर पर अनेक संस्कृत प्रेमी महानुभाव भी उपस्थित थे।

संस्कृत श्लोक संगीत प्रतियोगिता, दिनांक 19.08.2019

(विद्यालय स्तरीय) करोल बाग

क्र. सं.	विद्यालय का नाम एवं पता	प्रतियोगिता का नाम	छात्र/ छात्राओं का नाम	पुरस्कार राशि	प्राप्त स्थान
1.	श्री सनातन धर्म हरि मन्दिर उच्चतम माध्यमिक बालिका विद्यालय, देसराज भाटिया मार्ग, नबी करीम नई दिल्ली	संस्कृत श्लोक संगीत	अंजलि	500	प्रथम
			भूमिका	500	
			बिटू	500	
			निशा	500	
			कविता	500	
			सुमन	500	3000/–
2.	रामजस स्कूल, पूसा रोड, नई दिल्ली-05	संस्कृत श्लोक संगीत	हुमेरा	400	द्वितीय
			पार्थवी शर्मा	400	
			वंशिका कौशिक	400	
			पूर्णोपमा चक्रवर्ती	400	
			जिया भाटिया	400	2400/–
			रबलीन कौर	400	

3.	सतभ्रावां आर्य कन्या महाविद्यालय करोलबाग, नई दिल्ली-05	संस्कृत श्लोक संगीत	नन्दिनी	300	तृतीय
			प्रियांशी	300	
			साक्षी	300	
			तृप्ति	300	
			चेतना	300	
			ईशा	300	1800/–
4.	राजकीय प्रतिभा विकास विद्यालय, लिंक रोड, करोलबाग, नई दिल्ली-05	संस्कृत श्लोक संगीत	श्रेया	100	प्रोत्साहन–1
			सालेहा	100	
			आरती	100	
			वन्दना	100	
			शीला	100	
			तन्नू	100	600/–

संस्कृत श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता, दिनांक 20.08.2019

क्र.सं.	विद्यालय का नाम एवं पता	प्रतियोगिता का नाम	छात्र/ छात्राओं का नाम	पुरस्कार राशि	प्राप्त स्थान
1.	राजकीय प्रतिभा विकास विद्यालय, लिंक रोड, करोलबाग, नई दिल्ली-05	संस्कृत श्लोकोच्चारण	लक्ष्य वालिया	500	प्रथम
			पंकज कुमार	500	
			शुभाशीष	500	
			प्रदीप यादव	500	
			सौरभ	500	
			प्रियांशु	500	3000/–
2.	रामजस स्कूल, पूसा रोड, नई दिल्ली-05	संस्कृत श्लोकोच्चारण	राहुल सिंह	400	द्वितीय
			ऋषित जयसवाल	400	
			ध्रुव निश्चल	400	
			अब्दुल मालिक	400	
			राज देवांशु	400	
			ओजस शर्मा	400	2400/–
3.	सेंट एन्थोनी बाल विद्यालय, पहाड़गंज, नई दिल्ली-55	संस्कृत श्लोकोच्चारण	पुष्पाज अरोड़ा	300	तृतीय
			सुशांत अवस्थी	300	
			मौ. कामरान	300	
			रोहन	300	
			कुनाल वर्मा	300	
			आयुष कुमार	300	1800/–

4.	सलवान पब्लिक स्कूल, (अपराह्न) ओल्ड राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली-60	संस्कृत श्लोकोच्चारण	प्रणव सिंह	100	प्रोत्साहन–1
			फरोज आलम	100	
			नीलेश कुमार	100	
			रचित कात्याल	100	
			मोहिन कुमार	100	
			भाग्यांश भाटिया	100	600/–

संस्कृत वाद–विवाद प्रतियोगिता, दिनांक 22.08.2019

क्र.सं.	विद्यालय का नाम एवं पता	प्रतियोगिता का नाम	छात्र/ छात्राओं का नाम	पुरस्कार राशि	प्राप्त स्थान
1.	राजकीय प्रतिभा विकास विद्यालय, लिंक रोड, करोलबाग, नई दिल्ली-05	संस्कृत वाद-विवाद	प्रिया	2000	प्रथम 4000/–
			वन्दना	2000	
2.	सतभ्रांवा आर्य कन्या महाविद्यालय करोलबाग, नई दिल्ली-05	संस्कृत वाद-विवाद	भावना	500	प्रोत्साहन–1 1000/–
			आंचल पाण्डे	500	

संस्कृत भाषण प्रतियोगिता, दिनांक 23.08.2019

क्र.सं.	विद्यालय का नाम एवं पता	प्रतियोगिता का नाम	छात्र/ छात्राओं का नाम	पुरस्कार राशि	प्राप्त स्थान
1.	सलवान पब्लिक स्कूल, ओल्ड राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली-60	संस्कृत भाषण	जिया अरोड़ा	2000	प्रथम 2000/–
2.	मुल्तान डी.ए.वी. सैकेण्डरी विद्यालय, ओल्ड राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली-60	संस्कृत भाषण	ऋषि	1800	द्वितीय 1800/–
3.	रामजस स्कूल, पूसा रोड, नई दिल्ली-05	संस्कृत भाषण	अमन उनियाल	1500	तृतीय 1500/–
4.	सर्वोदय कन्या विद्यालय नं.-1, जीनत महल, कमला मार्केट, दिल्ली-02	संस्कृत भाषण	खुशनुमा	1200	चतुर्थ 1200/–

5.	इन्द्रप्रस्थ कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, जामा मस्जिद, दिल्ली-06	संस्कृतभाषण	खुशी	1000	पंचम 1000/–
6.	श्री सनातन धर्म हरि मन्दिर उच्चतम माध्यमिक बालिका विद्यालय, देसराज भाटिया मार्ग, नबी करीम नई दिल्ली-55	संस्कृतभाषण	शैली	500	प्रोत्साहन–1 500/–
7.	राजकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, पहाड़गंज, दिल्ली-55	संस्कृतभाषण	नौशीन अन्सारी	500	प्रोत्साहन–2 500/–

संस्कृत एकल श्लोक संगीत प्रतियोगिता, दिनांक 26.08.2019

क्र.सं.	विद्यालय का नाम एवं पता	प्रतियोगिता का नाम	छात्र/ छात्राओं का नाम	पुरस्कार राशि	प्राप्त स्थान
1.	सलवान पब्लिक स्कूल, ओल्ड राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली-60	संस्कृत एकल श्लोक	रिशिमा भारद्वाज	2000	प्रथम 2000/–
2.	सलवान पब्लिक स्कूल, (अपराह्न) ओल्ड राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली-60	संस्कृत एकल श्लोक	अन्तरा केन्दुरकर	1800	द्वितीय 1800/–
3.	सर्वोदय कन्या विद्यालय, आराम बाग लेन, पहाड गंज, दिल्ली-55	संस्कृत एकल श्लोक	नुज़हत	1500	तृतीय 1500/–
4.	राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, (बालिका) पहाड गंज, दिल्ली-55	संस्कृत एकल श्लोक	महिमा	1200	चतुर्थ 1200/–
5.	बाल भारती पब्लिक स्कूल गंगा राम अस्पताल मार्ग, नई दिल्ली-60	संस्कृत एकल श्लोक	भारवि नायक कलीता	1000	पंचम 1000/–
6.	सलवान कन्या वरिष्ठ विद्यालय, ओल्ड राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली-60	संस्कृत एकल श्लोक	तृप्ति तिवारी	500	प्रोत्साहन–1 500/–
7.	सतभ्रावां आर्य कन्या महाविद्यालय करोलबाग, नई दिल्ली-05	संस्कृत एकल श्लोक	कनिष्का	500	प्रोत्साहन–2 500/–

8.	विद्या भवन उच्चतर माध्यमिक बालिका विद्यालय, न्यू राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली-60	संस्कृत एकल श्लोक	अंशिका	500	प्रोत्साहन–3 500/–

संस्कृत काव्याली प्रतियोगिता, दिनांक 27.08.2019

क्र.सं.	विद्यालय का नाम एवं पता	प्रतियोगिता का नाम	छात्र/ छात्राओं का नाम	पुरस्कार राशि	प्राप्त स्थान
1.	बाल भारती पब्लिक स्कूल गंगा राम अस्पताल मार्ग, नई दिल्ली-60	संस्कृत काव्याली	प्रन्या लाम्बा	500	प्रथम
			भारवि नायक कलिता	500	
			देवांशी शर्मा	500	
			रहस कौर	500	
			हेजल चग्गर	500	3000/–
			लावन्या वलेचा	500	
2.	सतभ्रावां आर्य कन्या महाविद्यालय करोलबाग, नई दिल्ली-05	संस्कृत काव्याली	कनिष्का	400	द्वितीय
			पारुल	400	
			चेतना	400	
			साक्षी	400	
			ईशा	400	
			प्रियांशी	400	2400/–
3.	श्री सनातन धर्म हरि मन्दिर उच्चतम माध्यमिक बालिका विद्यालय, देसराज भाटिया मार्ग, नबी करीम नई दिल्ली-55	संस्कृत काव्याली	सुमन	300	तृतीय
			बिट्टू	300	
			अंजलि	300	
			भूमिका	300	
			निशा	300	
			कविता	300	1800/–
4.	मुल्तान डी.ए.वी. सैकेण्डरी विद्यालय, ओल्ड राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली-60	संस्कृत काव्याली	विवेक कुमार श्रीवास्तव	100	प्रोत्साहन–1
			मोनू	100	
			राजा	100	
			अनीस केरकेटा	100	
			ऋतिक	100	600/–
			ऋषि	100	

दिनांक 21.08.2019

राष्ट्रीय एकता की पहचान एवं भारतीय संस्कृति का आधार है संस्कृत भाषा
– रघुविंदर शौकीन

पश्चिम 'बी' मण्डल की छः दिवसीय संस्कृत प्रतियोगिताओं का शुभारम्भ
–डॉ. जीतराम भट्ट

गुणवत्ता के कारण ही संस्कृत का महत्त्व है – प्रो. गंगाधर पण्डा

दिल्ली संस्कृत अकादमी दिल्ली सरकार द्वारा राजकीय सर्वोदय कन्या विद्यालय, नांगलोई, नई दिल्ली में दिल्ली शिक्षा निदेशालय के "पश्चिम बी मण्डल" की छः दिवसीय संस्कृत प्रतियोगिताऐं आज से प्रारम्भ हुई ।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में नांगलोई क्षेत्र के विधायक श्री रघुविंदर शौकीन ने कहा कि आप लोगों को इस प्रकार से प्रतियोगिताओं में भाग लेते देखने से हमें भी अपना बचपन याद आ रहा है। आप लोगों के लिये अनेक प्रतियोगितायें हैं वर्तमान में प्रतियोगिताओं के लिये सुविधायें भी हर प्रकार की मिल रही हैं। इन प्रतियोगिताओं में आप को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है। संस्कृत भाषा राष्ट्रीय एकता की पहचान एवं भारतीय संस्कृति का आधार है। श्री शौकीन ने आगे कहा कि आप जो भी प्रतिभागी इस प्रतियोगिताओं में छः दिनों तक विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेंगे वे सभी विजेता हैं। प्रतियोगिता में भाग लेना ही अपने आप में एक श्रेष्ठता है।

इस अवसर पर दिल्ली संस्कृत अकादमी के सचिव डॉ. जीतराम भट्ट ने कहा संस्कृत भाषा के महत्व को इसी बात से लगाया जा सकता है कि आधुनिक भाषाओं में सबसे समृद्ध एवं वैज्ञानिक भाषा है। संस्कृत भाषा भारतीय संस्कृति की आधार है। संस्कृत को युवा वर्ग से जोड़ने का माध्यम प्रतियोगिता से बढ़कर कोई नहीं है। दिल्ली सरकार दिल्ली में दिल्ली संस्कृत अकादमी के माध्यम से संस्कृत भाषा के विकास एवं प्रचार प्रसार के लिये अनेक प्रकार की संस्कृत परक गतिविधियों का आयोजन निरन्तर करती आ रही है। इसी क्रम में आज इस मण्डल की संस्कृत प्रतियोगितायें भी हैं। संस्कृत भारत के सभी प्रान्तों को जोड़ने वाली भाषा है।

इस अवसर पर श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. गंगाधर पण्डा ने कहा कि जिस भी वस्तु या विषय में गुणवत्ता होती है उसका महत्त्व होता है। संस्कृत देश के सभी राज्यों की भाषा है। हिन्दी राष्ट्र भाषा है परन्तु संस्कृत हिन्दी की जननी है। संस्कृत के महत्व को जानते हुये विदेशो में पढ़ाई जा रही है। संस्कृत में बहुत विज्ञान है अभी तक संस्कृत में निहित विज्ञान के प्रारंभिक स्तर पर ही आज का विज्ञान पहुँचा है। संस्कृत के साथ विज्ञान का समावेश जरूरी है। जिससे आगे हमारा देश प्रगति कर सके। दिल्ली में आप लोगों के बीच इस प्रकार का संस्कृतमय वातावरण देखकर यह लगता है कि दिल्ली संस्कृत अकादमी अपने लक्ष्य की ओर निरन्त अग्रसर है। इसमें छात्रों–छात्राओं, शिक्षक

शिक्षिकाओं, प्रधानाचार्यों एवं आपके अभिवाहकों का महत्वपूर्ण योगदान है।

इस अवसर पर विद्यालय की उप प्रधानाचार्या एवं मण्डल की संयोजिका श्रीमती सीमा शर्मा ने कहा कि अकादमी की ओर से संस्कृत भाषा के विकास एवं प्रचार प्रसार के लिये इस मण्डल में आयोजित अकादमी की ये छः प्रतियोगितायें छः दिनों तक आयोजित की जाने वाली प्रतियोगितायें– श्लोक संगीत, संस्कृत काव्वाली, श्लोकोच्चारण, संस्कृत वाद विवाद, संस्कृत भाषण एवं एकल श्लोक संगीत प्रतियोगितायें शमिल हैं

अकादमी द्वारा आयोजित आज की श्लोक संगीत प्रतियोगिता में प्रतियोगिताओं में इस मण्डल के 40 विद्यालयों के 300 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

इस अवसर पर अनेक संस्कृत प्रेमी महानुभाव भी उपस्थित थे।

संस्कृत श्लोकसंगीत प्रतियोगिता, दिनांक 21.08.2019

क्र.सं.	विद्यालय का नाम एवं पता	प्रतियोगिता का नाम	छात्र/ छात्राओं का नाम	पुरस्कार राशि	प्राप्त स्थान
1.	सेंट फ्रोबल सीनियर सैकेण्डरी स्कूल, ए–3 ब्लॉक, पश्चिम विहार, नई दिल्ली–63	संस्कृत श्लोक संगीत	निकिता भुटानी	500	प्रथम
			पारूल शर्मा	500	
			सलोनी दत्ता	500	
			नैन्सी	500	
			याशिका बंसीवाल	500	
			याशिता साहू	500	3000/–
2.	सर्वोदय कन्या विद्यालय, सुल्तानपुरी रोड, नांगलोई, दिल्ली–41	संस्कृत श्लोक संगीत	महक	400	द्वितीय
			डिम्पल	400	
			अंजलि	400	
			शीतल	400	
			इशिका	400	
			शुभावी	400	2400/–
3.	राजकीय सह-शिक्षा उच्च माध्यमिक विद्यालय, कुँवर सिंह नगर, नांगलोई, दिल्ली–41	संस्कृत श्लोक संगीत	अंजली कुमारी	300	तृतीय
			अंशु झा	300	
			तपस्या	300	
			श्वेता वर्मा	300	
			अंजली शर्मा	300	
			प्रतिमा कुमारी	300	1800/–

4.	सेंट मार्क्स वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, मीरा बाग, नई दिल्ली-87	संस्कृत श्लोक संगीत	गरिमा सूरी	200	चतुर्थ 1200/–
			गुरनुर कौर	200	
			रेवती अरोड़ा	200	
			पॉलिना बैनर्जी	200	
			कृतिका मीनाक्षी	200	
			ईशिता श्रीराम	200	
5.	राजकीय सह-शिक्षा वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, पंजाबी बस्ती नांगलोई, दिल्ली-41	संस्कृत श्लोक संगीत	खुशी	150	पंचम 900/–
			मोनिका	150	
			पूनम शर्मा	150	
			रेखा शर्मा	150	
			शीतल	150	
			चाँदनी	150	
6.	राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, नांगलोई, दिल्ली-41	संस्कृत श्लोक संगीत	मीनाक्षी	100	प्रोत्साहन–1 600/–
			गुंजन	100	
			नैन्सी	100	
			रोमा	100	
			भावना	100	
			शिखा	100	
7.	राजकीय सर्वोदय कन्या विद्यालय, अमलवास, ज्वालापुरी, नई दिल्ली-87	संस्कृत श्लोक संगीत	सोनाली	100	प्रोत्साहन–2 600/–
			आँचल	100	
			अंजलि	100	
			नादिया	100	
			हर्षिता	100	
			श्रुति	100	
8.	सर्वोदय कन्या विद्यालय, ए-ब्लॉक, जनकपुरी, नई दिल्ली-58	संस्कृत श्लोक संगीत	कोमल चौहान	100	प्रोत्साहन–3 600/–
			साक्षी	100	
			निष्ठा	100	
			मितांशी	100	
			योगिता	100	
			श्रद्धा	100	
9.	सर्वोदय कन्या विद्यालय, निलोठी, दिल्ली-41	संस्कृत श्लोक संगीत	अंशु	100	प्रोत्साहन–4 600/–
			अन्नु	100	
			योग्यता	100	
			इकबाल कौर	100	
			कोमल कौर	100	
			हर्षदीप कौर	100	

संस्कृत श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता, दिनांक 22.08.2019

क्र.सं.	विद्यालय का नाम एवं पता	प्रतियोगिता का नाम	छात्र/ छात्राओं का नाम	पुरस्कार राशि	प्राप्त स्थान
1.	डी.ए.वी. सैन्टेनरी पब्लिक स्कूल, पश्चिम एन्क्लेव, मियाँवली नगर, दिल्ली-87	संस्कृत श्लोकोच्चारण	लव्या यादव	500	प्रथम
			अनमोल गर्ग	500	
			आदित्य रूहिल	500	
			शुभम	500	
			उत्कर्ष	500	
			आर्यन राठौर	500	3000/-
2.	राजकीय सह-शिक्षा उच्च माध्यमिक विद्यालय, रजापुर खुर्द, मोहन गार्डन, दिल्ली-59	संस्कृत श्लोकोच्चारण	आदित्य सोनी	400	द्वितीय
			तरुण सिंह रोतेला	400	
			आदित्य ठाकुर	400	
			सागर गुप्ता	400	
			लोकेश कुशवाह	400	
			नवीन नेगी	400	2400/-
3.	राजकीय सह-शिक्षा वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, पंजाबी बस्ती, नांगलोई, नई दिल्ली-41	संस्कृत श्लोकोच्चारण	आकाश	300	तृतीय
			सतेन्द्र कुमार	300	
			रुद्राक्ष	300	
			तरुण	300	
			अमन	300	
			दीपक	300	1800/-
4.	मॉडर्न चाइल्ड पब्लिक विद्यालय, पंजाबी बस्ती, नांगलोई, दिल्ली-41	संस्कृत श्लोकोच्चारण	सक्षम	200	चतुर्थ
			आफताब आलम	200	
			हिमांशु	200	
			पीयूष वर्मा	200	
			हर्ष पाठक	200	
			विषु सहवाल	200	1200/-
5.	सर्वोदय वरिष्ठ माध्यमिक बाल विद्यालय, सुल्तानपुरी रोड, नांगलोई, दिल्ली-41	संस्कृत श्लोकोच्चारण	सचिन	150	पंचम
			सचिन कुमार	150	
			ललित	150	
			विरेन अली	150	
			लवकुश	150	
			अजय कुमार गुप्ता	150	900/-

6.	राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक बाल विद्यालय, के.जी. 1/2, विकासपुरी, नई दिल्ली-१८	संस्कृत श्लोकोच्चारण	केशव कुमार झा	100	प्रोत्साहन–1
			पिन्टु कुमार	100	
			सचिन	100	
			जगदीश	100	
			दीपक	100	
			शराफत	100	600/–
7.	कमल मॉडल सीनियर सैकेण्डरी स्कूल, मोहन गार्डन, नई दिल्ली	संस्कृत श्लोकोच्चारण	प्रियान्शु मिश्रा	100	प्रोत्साहन–2
			शिवम झा	100	
			शिवम पाठक	100	
			पवन कुमार	100	
			देवांशु जिंदल	100	
			सर्वेश त्रिपाठी	100	600/–
8.	राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक बाल विद्यालय, टीकरी कलां, दिल्ली-41	संस्कृत श्लोकोच्चारण	रवि कुमार	100	प्रोत्साहन–3
			अनुज कुमार	100	
			मो. शहनवाज आलम	100	
			सत्यम झा	100	
			शुभम	100	600/–
			मंगल सिंह	100	
9.	सर्वोदय बाल विद्यालय, जनता फ्लैट, हस्तसाल, नई दिल्ली-59	संस्कृत श्लोकोच्चारण	अनूप तिवारी	100	प्रोत्साहन–4
			गणेश शर्मा	100	
			दीपक कुमार	100	
			सूरज गुप्ता	100	
			अमन कुमार	100	
			सन्नी शर्मा	100	600/–

संस्कृत काव्याली प्रतियोगिता, दिनांक 23.08.2019

क्र.सं.	विद्यालय का नाम एवं पता	प्रतियोगिता का नाम	छात्र/ छात्राओं का नाम	पुरस्कार राशि	प्राप्त स्थान
1.	राजकीय सह-शिक्षा वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, पंजाबी बस्ती, नांगलोई, दिल्ली-41	संस्कृत काव्याली	रेखा शर्मा	500	प्रथम
			पूनम शर्मा	500	
			मोनिका	500	
			खुशी	500	
			शीतल	500	
			चाँदनी	500	3000/–

2.	सर्वोदय कन्या विद्यालय, सुल्तानपुरी रोड, नांगलोई, दिल्ली–41	संस्कृत काव्याली	अंजलि	400	द्वितीय
			शीतल	400	
			रचना	400	
			जैनब	400	
			महक	400	
			डिम्पल	400	2400 / –
3.	नई दिल्ली पब्लिक स्कूल, विकासपुरी, नई दिल्ली–18	संस्कृत काव्याली	राज चौधरी	300	तृतीय
			जय प्रताप राणा	300	
			दीप कुमार	300	
			शिवम मिश्रा	300	
			कनिष्क सिंह	300	
			स्वप्निल झा	300	1800 / –
4.	सर्वोदय कन्या विद्यालय, नांगलोई, दिल्ली–41	संस्कृत काव्याली	दीक्षा	200	चतुर्थ
			अनीशा	200	
			वन्दना शर्मा	200	
			खुशी मण्डल	200	
			इमरा खान	200	
			नन्दिनी	200	1200 / –
5.	राजकीय सर्वोदय कन्या विद्यालय, रनहौला, नांगलोई, दिल्ली–41	संस्कृत काव्याली	मुस्कान	150	पंचम
			कोमल	150	
			जन्नत	150	
			अंजू शर्मा	150	
			हीना	150	
			रंजना	150	900 / –
6.	सर्वोदय कन्या विद्यालय, अमलवास, ज्वालापुरी, दिल्ली–87	संस्कृत काव्याली	ईशा	100	प्रोत्साहन–1
			साजो	100	
			अलका	100	
			संतोष	100	
			भगवती	100	
			डोली	100	600 / –
7.	राजकीय सर्वोदय सह-शिक्षा विद्यालय, बी–4, पश्चिम विहार, नई दिल्ली–63	संस्कृत काव्याली	प्रिया	100	प्रोत्साहन–2
			सानिया	100	
			गीति वर्मा	100	
			सान्या कनवारिया	100	
			सरिता चौधरी	100	
			महिमा	100	600 / –

8.	सेंट फ्रोबल सीनियर सैकेण्डरी स्कूल, ए-3 ब्लॉक, पश्चिम विहार, नई दिल्ली-63	संस्कृत काव्याली	निकिता भुटानी	100	प्रोत्साहन-3
			पारुल शर्मा	100	
			सलोनी दत्ता	100	
			याशिता साहू	100	
			नैन्सी	100	
			साक्षी दुआ	100	600/-
			योग		

संस्कृत-वाद-विवाद प्रतियोगिता, दिनांक 26.08.2019

क्र.सं.	विद्यालय का नाम एवं पता	प्रतियोगिता का नाम	छात्र/ छात्राओं का नाम	पुरस्कार राशि	प्राप्त स्थान
1.	राजकीय सर्वोदय कन्या विद्यालय, सुल्तानपुरी रोड, नांगलोई, दिल्ली-41	संस्कृत वाद-विवाद	काजल	2000	प्रथम
			नन्दिनी सागर	2000	4000/-
2.	कमल मॉडल सीनियर सैकेण्डरी स्कूल, मोहन गॉर्डन, दिल्ली-59	संस्कृत वाद-विवाद	प्रियांशु मिश्रा	1800	द्वितीय
			भास्कर पाठक	1800	3600/-
3.	सर्वोदय कन्या विद्यालय, अमलवास, ज्वालापुरी, नई दिल्ली-87	संस्कृत वाद-विवाद	रोशनी	1500	तृतीय
			पलक गुप्ता	1500	3000/-
4.	डी.ए.वी. सैन्टनरी पब्लिक स्कूल, पश्चिम एन्क्लेव, मियाँवली नगर, दिल्ली-87	संस्कृत वाद-विवाद	साधिक सहगल	1200	चतुर्थ
			गौरव गोला	1200	2400/-
5.	राजकीय सर्वोदय कन्या विद्यालय, नांगलोई, दिल्ली-41	संस्कृत वाद-विवाद	संगीता	1000	पंचम
			हिमानी आर्या	1000	2000/-
6.	सर्वोदय कन्या विद्यालय, टीकरी कलां, दिल्ली-41	संस्कृत वाद-विवाद	खुशी	500	प्रोत्साहन-1
			नित्या	500	1000/-
7.	पॉयनीयर कमल कान्वेंट सीनियर सैकेण्डरी विद्यालय, लोकनायकपुरम्, बक्करवाला, दिल्ली-41	संस्कृत वाद-विवाद	सिमरन शर्मा	500	प्रोत्साहन-2
			साक्षी सिंह	500	1000/-

संस्कृत भाषण प्रतियोगिता, दिनांक 27.08.2019

क्र.सं.	विद्यालय का नाम एवं पता	प्रतियोगिता का नाम	छात्र/ छात्राओं का नाम	पुरस्कार राशि	प्राप्त स्थान
1.	राजकीय उच्चतर माध्यमिक कन्या विद्यालय, नांगलोई, दिल्ली-41	संस्कृत भाषण	आरती	2000	प्रथम 2000/-
2.	राजकीय प्रतिभा विकास विद्यालय, ए-6, पश्चिम विहार, दिल्ली-63	संस्कृत भाषण	दिशा	1800	द्वितीय 1800/-
3.	सर्वोदय कन्या विद्यालय, टीकरी कलां, दिल्ली-41	संस्कृत भाषण	मधु	1500	तृतीय 1500/-
4.	राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक कन्या विद्यालय, अम्बिका विहार, दिल्ली-87	संस्कृत भाषण	रश्मि	1200	चतुर्थ 1200/-
5.	राजकीय सर्वोदय कन्या विद्यालय, रनहौला, नांगलोई, दिल्ली-41	संस्कृत भाषण	रोशनी	1000	पंचम 1000/-
6.	राजकीय सर्वोदय कन्या विद्यालय, सुल्तानपुरी रोड, नांगलोई, दिल्ली-41	संस्कृत भाषण	साधना	500	प्रोत्साहन-1 500/-
7.	मॉडर्न चाइल्ड पब्लिक विद्यालय, पंजाबी बस्ती, नांगलोई, दिल्ली-41	संस्कृत भाषण	शुभांगी गर्ग	500	प्रोत्साहन-2 500/-
8.	आदर्श पब्लिक विद्यालय, सी-ब्लॉक, विकासपुरी, नई दिल्ली-18	संस्कृत भाषण	लावन्या खरबन्दा	500	प्रोत्साहन-3 500/-
9.	डी.ए.वी. सैन्टनरी पब्लिक स्कूल, पश्चिम एन्क्लेव, मियाँवली नगर, दिल्ली-87	संस्कृत भाषण	अनुजोश	500	प्रोत्साहन-4 500/-
10.	सर्वोदय कन्या विद्यालय, सुल्तानपुरी रोड, नांगलोई, दिल्ली-41	संस्कृत भाषण	अंशिका	500	प्रोत्साहन-5 500/-

11.	राजकीय सह-शिक्षा वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, पंजाबी बस्ती नांगलोई,दिल्ली-41	संस्कृत भाषण	शिखर देशमुख	500	प्रोत्साहन–6 500/–
12.	राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, जे.जे. कॉलोनी-2, नांगलोई, दिल्ली-41	संस्कृत भाषण	अदिति	500	प्रोत्साहन–7 500/–

संस्कृत एकल श्लोकसंगीत प्रतियोगिता, दिनांक 28.08.2019

क्र.सं.	विद्यालय का नाम एवं पता	प्रतियोगिता का नाम	छात्र/ छात्राओं का नाम	पुरस्कार राशि	प्राप्त स्थान
1.	सर्वोदय कन्या विद्यालय, सुल्तानपुरी रोड, नांगलोई, दिल्ली-41	संस्कृत एकल श्लोकसंगीत	शिवानी	2000	प्रथम 2000/–
2.	मॉडर्न चाइल्ड पब्लिक विद्यालय, पंजाबी बस्ती, नांगलोई, दिल्ली-41	संस्कृत एकल श्लोकसंगीत	प्रेरणा यादव	1800	द्वितीय 1800/–
3.	सर्वोदय कन्या विद्यालय, ए-ब्लॉक, जनकपुरी, नई दिल्ली-58	संस्कृत एकल श्लोकसंगीत	श्रद्धा शुक्ला	1500	तृतीय 1500/–
4.	राजकीय सह-शिक्षा वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, ए-6, पश्चिम विहार, नई दिल्ली-63	संस्कृत एकल श्लोकसंगीत	तस्मिया	1200	चतुर्थ 1200/–
5.	राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, जे.जे. कॉलोनी, नांगलोई, दिल्ली-41	संस्कृत एकल श्लोकसंगीत	मीनाक्षी	1000	पंचम 1000/–
6.	सेंट फ्रांसिस डी सेल्स स्कूल, ए-४ सी, जनकपुरी, नई दिल्ली-87	संस्कृत एकल श्लोकसंगीत	टॉम्सी मरिया प्रिन्स	500	प्रोत्साहन–1 500/–
7.	सर्वोदय कन्या विद्यालय, पश्चिम विहार, दिल्ली-63	संस्कृत एकल श्लोकसंगीत	रितिका	500	प्रोत्साहन–2 500/–

8.	राजकीय प्रतिभा विकास विद्यालय, पश्चिम विहार, दिल्ली-63	संस्कृत एकल श्लोकसंगीत	केशव कुमार ठाकुर	500	प्रोत्साहन–3 500/–
9.	सर्वोदय कन्या विद्यालय, हस्तसाल गांव, दिल्ली-59	संस्कृत एकल श्लोकसंगीत	कंचन	500	प्रोत्साहन–4 500/–
10.	राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक बाल विद्यालय, टीकरी कलाँ, दिल्ली-41	संस्कृत एकल श्लोकसंगीत	मन्दीप	500	प्रोत्साहन–5 500/–
11.	सर्वोदय बाल विद्यालय, जनता फ्लैटस, हस्तसाल, नई दिल्ली-59	संस्कृत एकल श्लोकसंगीत	अभय गिरी	500	प्रोत्साहन–6 500/–
12.	कमल पब्लिक सीनियर सैकेण्डरी स्कूल	संस्कृत एकल श्लोकसंगीत	प्रेरणा धर	500	प्रोत्साहन–7 500/–
13.	निओ कान्वेंट सीनियर सैकेण्डरी स्कूल, पश्चिम विहार, दिल्ली-63	संस्कृत एकल श्लोकसंगीत	मिथुना नायर	500	प्रोत्साहन–8 500/–

दिनांक 26.08.2019

शून्य के साथ दशमलव एवं पाई का ज्ञान भारत के संस्कृत विद्वानों ने ही दिया विश्व को – डॉ. जीतराम भट्ट
संस्कृत पढ़ने से बहुत आत्मबल मिलता है – श्रीमती वीनारानी
उत्तर पूर्व मण्डल की छः दिवसीय संस्कृत प्रतियोगिताओं का शुभारम्भ – डॉ. कृष्णमोहन त्रिपाठी

संस्कृत में अनेक ज्ञान परक ग्रन्थ लिखे गये हैं जो कि शुद्ध रूप से विज्ञान के प्रयोगों पर आधारित हैं इस ज्ञान को लोगों तक पहुँचाने के लिये हमें निरन्तर अपने स्तर पर शोध कार्य करने की जरूरत है। जिस पर आज विश्व में पूरी साइन्स एवं गणित निर्भर है। लोहे की खोज आप्टिकल फाईवर आदि का ज्ञान भी संस्कृत साहित्यों से ही लिया गया है। भारतीय ज्ञान विज्ञान को विश्व पटल पर रखने के लिये कोई उचित समय न मिलने के कारण पाश्चात्य विद्वानों ने इसी को संशोधित कर अपने नाम से इन को प्रचारित किया।

ये विचार दिल्ली संस्कृत अकादमी दिल्ली सरकार द्वारा गांधी मेमोरियल राजकीय सर्वोदय बाल विद्यालय शाहदरा दिल्ली में आयोजित ''उत्तर पूर्व'' मण्डल की छः दिवसीय संस्कृत प्रतियोगिताओं का शुभारम्भ करते हुये अकादमी के सचिव डॉ. जीतराम भट्ट ने व्यक्त किये। डॉ. भट्ट ने आगे कहा कि भारतीय संस्कृति का आधार ही संस्कृत भाषा है। संस्कृत को सभी वर्गों के युवाओं से जोडने का माध्यम प्रतियोगिता से बढ़ कर कोई नहीं है। युवा वर्ग का आज जो उत्साह मुझे दिखाई दे रहा इस उत्साह से संस्कृत को नई उर्जा मिलेगी।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर पूर्व मण्डल की उप शिक्षा निदेशिका श्रीमती वीना रानी ने कहा कि दिल्ली सरकार ने दिल्ली में भाषाओं के विकास प्रचार–प्रसार के लिये दिल्ली में अनेक अकादमियों की स्थापना की है। संस्कृत भाषा के लिये संस्कृत अकादमी की स्थापना की गई है। संस्कृत अकादमी प्रति वर्ष संस्कृत को जनमानस की भाषा बनाने और आम लोगों तक संस्कृत को पहुँचाने के लिये अनेक प्रकार की गतिविधियों को आयोजित करती है। संस्कृत विश्व की सबसे प्राचीन भाषा के साथ–साथ आधुनिक विज्ञान की भाषा है। इस भाषा की महत्ता इसी बात से लगाई जा सकती है कि आधुनिक भाषाओं में सबसे समृद्ध एवं वैज्ञानिक भाषा है। संस्कृत अकादमी द्वारा इस प्रकार के कार्यक्रमों के माध्यम से युवा वर्ग को नई चेतना मिलेगी।

इस अवसर पर उपशिक्षा निदेशक डॉ. सुरेन्द्र कुमार शर्मा ने कहा कि दिल्ली सरकार दिल्ली में दिल्ली संस्कृत अकादमी के माध्यम से संस्कृत भाषा के विकास एवं प्रचार–प्रसार के लिये अनेक प्रकार की संस्कृत परक गतिविधियों का आयोजन निरन्तर करती आ रही है। इसी क्रम में आज दिल्ली संस्कृत अकादमी द्वारा उत्तर पूर्व मण्डल की छः दिवसीय संस्कृत प्रतियोगितायें आयोजित की जा रही हैं जिससे इस मण्डल के सभी विद्यालयों के छात्र–छात्रायें इन प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपनी प्रतिभा को दिखायें।

इस अवसर पर मण्डलीय प्रतियोगिताओं के संयोजिका एवं विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. कृष्णमोहन त्रिपाठी ने प्रतियोगिताओं के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि इन प्रतियोगिताओं में इस मण्डल के सभी विद्यालयों को आमंत्रित किया गया है। प्रधानाचार्य ने प्रतिभागियों को बताया कि दिल्ली में युवा वर्ग को संस्कृत भाषा के प्रति उत्साह बढाने के लिये दिल्ली संस्कृत अकादमी निरन्तर इस प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन करती है। इसी क्रम में इस मण्डल में ये प्रतियोगिताएँ छः दिनों तक चलेंगी। जिसमें श्लोक संगीत, संस्कृत काव्यालि, श्लोकोच्चारण, संस्कृत वाद विवाद, संस्कृत भाषण एवं एकल श्लोक संगीत प्रतियोगितायें सामिल हैं। आज संस्कृत काव्यालि प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें 30 विद्यालयों के 200 से अधिक छात्र–छात्राओं ने भाग लिया।

इस अवसर पर वैव्स संस्था की अध्यक्षा डॉ. शशि तिवारी सहित अनेक संस्कृत प्रेमी महानुभाव भी उपस्थित थे।